

I. माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य शिक्षा का क्षेत्र

(Scope of Commerce at Secondary Stage)

प्रारम्भिक बहीखाता : दोहरी लेखा प्रणाली का तात्त्विक सिद्धान्त व व्यवहार, आधुनिक पारचात्य बहीखाता प्रणाली के अनुसार प्रारम्भिक लेखों की पुस्तकें केवल रोजनामचा व रोकड़ बही, खतौनी व तलपट, भारतीय बहीखाता प्रणाली, रोकड़ बही व जमा तथा नाम नकल बही।

व्यापार प्रणाली : व्यापार कार्यालय का संगठन व कार्य प्रणाली, आने जाने वाले पत्रों को लेखा, (नस्तीकरण अनुक्रमणिक), प्रतिलिपिकरण, पूछताछ व आदेश सम्बन्धी पत्र व्यवहार।

अधिकोषण तत्व : मुद्रा-इतिहास, परिभाषा, कार्य, भारत में मुद्रा प्रणाली का सामान्य परिचय।

अर्थशास्त्र : अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र, अर्थशास्त्र से सम्बन्धित शब्दावली जैसे—उपयोगिता, धन, कीमत, मूल्य आदि। आवश्यकताओं का वर्गीकरण एवं लक्षण, उपयोगिता ह्रास नियम।

II. अन्तिम खाते—व्यापार व लाभ-हानि खाता एवं आर्थिक चिट्ठा, सामान्य समायोजन सहित। बैंक पासबुक एवं रोकड़ बही का बैंक समाधान विवरण पत्र, चेक, बिल, हुण्डी व प्रतिज्ञा-पत्र सम्बन्धित साधारण लेखे।

नस्तीकरण, अनुक्रमणिका, सन्देश वाहक प्रणालियाँ। व्यापारिक कार्यालय में श्रम व समय बचाने वाले यन्त्र; जैसे- पंच मशीन, समय रिकार्ड मशीन, फोटो स्टेट मशीन, टाइप-राइटर, कैलकुलेटर की साधारण प्रयोग सम्बन्धी जानकारी। देशी व्यापार-थोक व फुटकर व्यापार, बीजक व विक्रय विवरण।

बैंक—जन्म, परिभाषा, कार्य एवं महत्त्व, भारतीय रिजर्व बैंक, स्टेट बैंक, व्यापारिक बैंक, सहकारी बैंक, देशी बैंकर का सामान्य अध्ययन।

अर्थशास्त्र—उपयोगिता ह्रास नियम, व्यय व बचत-आशय, पारस्परिक सम्बन्ध, बचत का सामाजिक महत्त्व। उत्पत्ति के साधन, आशय, विशेषतायें एवं महत्त्व।

✓ उच्च माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य का क्षेत्र

(Scope of Commerce at the Senior Secondary Stage)

उच्च माध्यमिक स्तर का केन्द्रीय बोर्ड, देहली (Central Board of Secondary Education 1996) ने वाणिज्य शिक्षा हेतु निम्न क्षेत्र प्रस्तुत किया है—

I. व्यापारिक शिक्षा (Business Studies)

1. व्यापार और आर्थिक क्रियाएँ (Economic Activities and Business)
2. व्यापार की प्रकृति एवं उद्देश्य (Nature and Purpose of Business)
3. व्यापार की संरचना (Structure of Business)
4. व्यापार और कार्य स्तर (Service Sector and Business)
5. व्यापार संघ के प्रकार (Forms of Business Enterprise)
6. सहयोगी संस्थाएँ (Corporate Organization)
7. व्यापार मण्डल का निर्माण (Formation of a Company)
8. वित्त व्यापार के स्रोत (Sources of Business Finance)
9. शेयर बाजार (Stock Exchange)
10. आन्तरिक व्यापार (Internal Trade)
11. बाह्य व्यापार (External Trade)

12. (a) कार्यात्मक प्रबन्धन (Function Management)
- (b) फैक्ट्री या संस्थान (Factory or Organization)
- (c) कार्यात्मक प्रबन्धन (Office or Administration)

II. लेखा शास्त्र (Accountancy)

1. लेखा शास्त्र—अर्थ, उद्देश्य और प्राथमिक लेखाशास्त्र
(Accounting-Meaning Objectives and Basic Accounting Terms)
2. लेखाशास्त्र के सिद्धान्त (Theory Base of Accounting)
3. लेखाशास्त्र का आरम्भ एवं कार्य (Origin and Recording of Functions)
4. कच्चा चिट्ठा एवं त्रुटियाँ (Trial Balance and Errors)
5. व्यापारिक लेखा लाभ (Financial Statements-Trading Account Profit)
6. हानि लेखा और व्यापारिक चिट्ठा (Loss Account and Business Sheet)
7. कम्प्यूटर से अवगत होना (Computer Awareness)
8. अवमूल्यन (मूल्य ह्रास), आरक्षित करना और व्यवस्था (Depreciation, Reserves and Provision)
9. बिल का आदान-प्रदान (Bills of Exchange)
10. बिना लाभ देने वाली संस्थाओं का लेखा (Accounts of Non-profit organization)
11. अपूर्ण अभिलेख से लेखा तैयार करना (Accounts from Incomplete Records)

वाणिज्य शिक्षा का एक शैक्षिक अनुशासन के साथ एक व्यवसायिक अनुशासन भी है जोकि उच्च माध्यमिक स्तर पर निम्न विषयों को शामिल करता है। (Commerce Education as an academic discipline and a vocational discipline includes the following subjects at the senior secondary stage)—

1. व्यापारिक शिक्षा (Business Studies)
2. पुस्तकपालन तथा बही-खाता (Book Keeping and Accountancy)
3. व्यवहारिक अर्थशास्त्र (Applied Economics)
4. प्रचार एवं विज्ञापित करना (Advertising and Publicity, etc.)
5. व्यवसायिक अंग्रेजी (Commercial English)
6. व्यवसायिक विधिशास्त्र (Commercial Law)
7. व्यवसायिक गणित (Commercial Mathematics)

8. कार्यालय, क्लर्क एवं सचिव विषयक अभ्यास (Office, Clerical and Secretarial Practice)
9. बिक्रीकारी (Salesmanship)
10. आशुलिपि (Shorthand)
11. टंकण (Typewriting)